त्रिपुरा

1. मंत्रालय ने उत्कृष्टधता के बेंचमार्क के तौर पर प्रत्येनक ब्लॉथक में एक स्कोल की दर से 6000 मॉडल स्कूल स्थाटपित करने का निर्णय लिया है। इनमें से 3 ,500 स्कूलों की स्थापपना राज्यल/संघ राज्यं सरकारों के माध्यिम से शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉ कों (ईबीबी) में की जाएगी और 25 00 स्कूसलों की स्थाापना गैर-शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉलकों में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) प्रणाली के अंतर्गत की जाएगी। राज्यप/संघ राज्यॉ क्षेत्र सरकारों के माध्यनम से शैक्षिक रूप से पिछड़े 3500 ब्लॉकको की स्थारपना करने संबंधी संघटक वर्ष 2009-10 से संचालित किया जा रहा है।

2. इस स्की-म के मुख्यि उद्देश्य ,हैं

- प्रत्येमकब्लॉकक में अच्छी गुणवत्ताे वाले कम से कम एक वरिष्ठक माध्यंमिक स्कूपल का होना।
- इन स्कूलों के लिए गति-निर्धारक भूमिका का निर्वहन करना।
- नवाचारी पाठ्यक्रम एवं शिक्षण का प्रयास करना।
- अवसंरचना, पाठ्यक्रम, मूल्यांरकन एवं स्कू ल अभिशासन में आदर्श स्थाकपित करना।

3. **त्रिपुरा राज्यक के संबंध में ब्लॉ क विवरण**

ब्लॉ।ककी कुल संख्या	40
शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों की संख्या	09
गैर-शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों की संख्यान	31
अनुमोदित स्कूसलों की संख्या(प्रत्येखशैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉिक में एक स्कोल की दर)से	07
कार्यरत् स्कूमलों की संख्याद	शून्यर

4. **कार्यान्वयन की स्थिति**:

(i) अनुमोदित आदर्श स्कूकल

वर्ष	अनुमोदित स्कू लों की संख्या:
2011-12	06
2014-15	01
कुल	**07**

(ii) जारी किए गए अनावर्ती अनुदान :

वर्ष	जारी की गई राशि (करोड़ रु. में)
2013-14	10.01
कुल	**10.01**

(iii) कार्यरत आदर्श स्कोल : शून्या

(iv) जारी किए गए आवर्ती अनुदान : शून्ये

****